भविष्यवाणी की उलटी गिनती

बाबुल और मेमने जैसा पशु

एक आश्चर्यजनक तथ्य:

इराक का कुख्यात तानाशाह सद्दाम हुसैन, प्राचीन बाबुल के शासक नबूकदनेस्सर का दीवाना हो गया था, जो 587 ईसा पूर्व में वर्तमान ईरान और इस्राएल को जीतने के लिए बदनाम था। सद्दाम ने खुद को नबूकदनेस्सर के आधुनिक अवतार के रूप में देखा जो इस्राएल को नष्ट कर देगा, अरब दुनिया को एकजुट करेगा और एक नए बाबुल पर शासन करेगा। लेकिन एक इब्रानी भविष्यवाणी में कहा गया है कि प्राचीन बाबुल का पुनर्निर्माण कभी नहीं किया जाएगा (यशायाह 13:19–22)। भविष्यवाणी को गलत साबित करने की कोशिश में, सद्दाम ने 1986 में बाबुल के पुराने स्थान के पुनर्निर्माण पर लाखों खर्च किए। खाड़ी युद्ध के बाद पकड़े जाने और 2006 में फांसी दिए जाने के साथ उसका भ्रम समाप्त हो गया। अब, उसके महल और परित्यक्त निर्माण परियोजना का भूतिया ढांचा एक स्पष्ट अनुस्मारक के रूप में खड़ा है कि परमेश्वर की भविष्यवाणियाँ कभी विफल नहीं होतीं।

प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में छः बार “बाबुल” का उल्लेख किया गया है। अधिकांश बाइबल टिप्पणीकार इस बात से सहमत हैं कि ये अंश वस्तुतः इराक या प्राचीन साम्राज्य के बारे में बात नहीं कर रहे हैं बल्कि प्रतीकात्मक हैं। इससे यह जानने में मदद मिलती है कि यीशु के समय तक, कई यहूदी रोमन साम्राज्य के प्रतीक के रूप में बाबुल नाम का उपयोग कर रहे थे जिसने इस्राएल की भूमि पर कब्जा कर रखा था जैसा कि पुराने बाबुल ने एक बार किया था (1 पतरस 5:13)।

बाइबल की अंतिम पुस्तक कहती है कि बाबुल

प्रकाशितवाक्य 13 के पशु और दुनिया की आखिरी महाशक्ति से निकटता से जुड़ा हुआ है। इस अंतिम बाबुल की पहचान को समझना भी अंतिम दिन की भविष्यवाणियों को समझने की कुंजी है ...

» जब आपको कोई रिक्त स्थान दिखाई दे, तो लापता शब्द को देखने और उसे भरने के लिए अपनी बाइबल का उपयोग करें ...

1 प्रकाशितवाक्य 14 में दूसरे स्वर्गदूत का संदेश क्या है?

प्रकाशितवाक्य 14:8 फिर इसके बाद एक और, दूसरा, स्वर्गदूत यह कहता हुआ आया, "गिर ________________, वह बड़ा बाबुल गिर ________________, जिसने अपने व्यभिचार की कोपमय मदिरा सारी जातियों को पिलाई है।"

ध्यान दें: प्रकाशितवाक्य 14 में एक अत्यावश्यक तीन सूत्रीय संदेश है जो यीशु के दूसरे आगमन से पहले पूरी दुनिया तक पहुंचना चाहिए (प्रकाशितवाक्य 14:14, 15)। इस पाठ में हम उस संदेश के दूसरे बिंदु पर ध्यान केंद्रित करेंगे। बाबुल पर परमेश्वर का दोषारोपण इसलिए किया गया है क्योंकि उसने अपनी नशीली शराब से सभी राष्ट्रों को मतवाला बना दिया है। यह पाठ कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट दोनों विश्वासियों के लिए कुछ बहुत ही सीधे, और शायद परेशान करने वाले संदेशों को संबोधित करता है। याद रखें कि दूसरे स्वर्गदूत का संदेश यीशु की ओर से है, जिसे हम सभी प्रेम करते हैं। उसके सत्य के प्रति अपना हृदय खोलें, क्योंकि उसका उद्देश्य आपको बचाना और आशीर्वाद देना है।

2 प्रकाशितवाक्य 17 में परमेश्वर किसे बाबुल का प्रतीक बनाता है?

प्रकाशितवाक्य 17:18 वह ________________ जिसे तूने देखा है, वह बड़ा नगर है जो पृथ्वी के राजाओं पर राज्य करता है।

ध्यान दें: बाइबल की भविष्यवाणी में, एक स्त्री कलीसिया का प्रतीक है। इस प्रकार, एक शुद्ध स्त्री परमेश्वर की सच्ची कलीसिया का प्रतिनिधित्व करती है, जैसा कि प्रकाशितवाक्य 12 में देखा गया है। एक वेश्या स्त्री एक ऐसी कलीसिया का प्रतिनिधित्व करती है जो पवित्रशास्त्र से हट गयी है।

हम निश्चित हो सकते हैं कि यह गिरी हुई स्त्री कौन है क्योंकि प्रकाशितवाक्य 17:18 कहता है कि जब प्रकाशितवाक्य लिखा गया था तब वह शासन कर रही थी। इतिहास हमें बताता है कि यह बुतपरस्त रोम था (लूका 2:1) जिसने अंततः अपना अधिकार, राजधानी और सत्ता कैथोलिक रोम को सौंप दी।

AMAZING FACTS INTERNATIONAL
प्रतिलिप्याधिकार © 2025 अमेजिंग फैक्ट्स इंटरनेशनल द्वारा। सर्वाधिकार सुरक्षित
P.O. Box 1058, Roseville, CA 95678 | amazingfacts.org | AFTV.in | 800-538-7275 | पवित्रशास्त्र के उद्धरण हिंदी बाइबिल (बीएसआई) और (ऑनलाइन-बीएसआई) से लिए गए हैं।

3 प्रकाशितवाक्य 17 से अन्य कौन सा प्रमाण कैथोलिक रोम को आध्यात्मिक बाबुल की ओर इंगित करता है?

क. वह ईशनिंदा की दोषी है (पद्य 3)।

ख. उसने बैंगनी और लाल रंग के कपड़े पहने हैं (पद्य 4)।

ग. उसे माता कहा जाता है (पद्य 5)।

घ. उसकी वेश्या बेटियाँ भी हैं जो पतित हैं (पद्य 5)।

ङ. उसने पवित्र लोगों को सताया और शहीद कर दिया (पद्य 6)।

च. वह सात पहाड़ों पर बैठती है (पद्य 9)।

छ. उसने पृथ्वी के राजाओं पर राज्य किया (पद्य 18)।

ध्यान दें: कैथोलिक रोम हर विवरण पर ठीक बैठता है। इसका मुख्यालय रोम, "सात पहाड़ियों का शहर" में है। बैंगनी कार्डिनल्स के वस्त्र का रंग है, और पोप अक्सर महत्वपूर्ण समारोहों में शाही बैंगनी रंग पहनता है। रोमन कैथोलिक कलीसिया खुले आम स्वीकार करती है कि मध्य युग के दौरान, उसने पवित्र लोगों पर अत्याचार किया और पृथ्वी के राजाओं पर शासन किया। परमेश्वर का प्रतीकवाद बिल्कुल ठीक बैठता है-एक गिरी हुई मातृ कलीसिया जिसकी गिरी हुई बेटियों ने विरोध किया और इस प्रकार, प्रोटेस्टेंट कहलाने लगी।

फादर जेम्स ए. ओ'ब्रायन के इस उद्धरण पर ध्यान दें: "वह अनुपालन [शनिवार के बजाय रविवार का] उस मातृ कलीसिया की याद दिलाता है जिससे गैर-कैथोलिक संप्रदाय अलग हो गए थे" (लाखों लोगों का विश्वास, हंटिंगटन, आईएन: हमारा रविवार आगंतुक, निगमित, 1974, पृष्ठ 401)।

4 प्रकाशितवाक्य 13 और 17 के पशुओं की तुलना कैसे की जाती है?

प्रकाशितवाक्य 13:1 तब मैंने एक पशु को समुद्र में से निकलते हुए देखा, जिसके दस ________________ और सात ________________ थे ... और उसके सिरों पर ________________ के नाम लिखे हुए थे।

प्रकाशितवाक्य 17:3 मैंने लाल रंग के पशु पर, जो ________________ के नामों से भरा हुआ था और जिसके सात ________________ और दस ________________ थे, एक स्त्री को बैठे हुए देखा।

ध्यान दें: प्रकाशितवाक्य 13:1-10 का पशु और प्रकाशितवाक्य 17 का पशु एक ही हैं। प्रकाशितवाक्य 17 कलीसिया-राज्य गठबंधन की ओर इशारा करता है, जिसमें कलीसिया (गिरी हुई

स्त्री) राज्यों (पशु) पर सवारी और नियंत्रण करती है। प्रकाशितवाक्य 13 में भी दो पशुओं को चित्रित किया गया है जो दूसरों को पूजा करने के लिए मजबूर करते हैं। पहला पशु प्रकाशितवाक्य 17 में वर्णित “वेश्याओं की माँ” के समान शक्ति है।

5 “बाबुल” शब्द का अर्थ और उत्पत्ति क्या है?

उत्पत्ति 11:4, 6, 7, 9 आओ, हम एक नगर और एक गुम्मट बना लें, जिसकी चोटी आकाश से बातें करे ... और यहोवा ने कहा, ... आओ, हम उतर के उनकी भाषा में ________________ डालें, कि वे एक दूसरे की बोली को न समझ सकें। इस कारण उस नगर का नाम बाबुल पड़ा; क्योंकि सारी पृथ्वी की भाषा में जो ________________ है, वह यहोवा ने वहीं डाली।

ध्यान दें: शब्द “बेबल” और “बाबुल” दोनों का अर्थ “भ्रम” है। यह नाम बेबल के गुम्मट पर उत्पन्न हुआ, जिसे बाढ़ के बाद विद्रोही बुतपरस्तों द्वारा बनाया गया था। वे इसे इतना ऊंचा बनाना चाहते थे कि भविष्य में बाढ़ का पानी इसे डुबा न सके। लेकिन परमेश्वर ने उनकी भाषाओं को भ्रमित कर दिया, जिससे ऐसी अराजकता पैदा हुई कि परियोजना को छोड़ दिया गया। बाद में बाबुल एक मूर्तिपूजक विश्व राज्य बन गया जिसने परमेश्वर के लोगों पर अत्याचार किया। प्रकाशितवाक्य में, शब्द “बाबुल” एक नकली धार्मिक राज्य का प्रतीक है जो परमेश्वर के आध्यात्मिक इस्राएल का दुश्मन है।

6 जब परमेश्वर अपने लोगों से निकल आने का आग्रह करता है तो वह बाबुल का वर्णन किस प्रकार करता है?

प्रकाशितवाक्य 18:2, 4 उसने ऊँचे शब्द से पुकारकर कहा, गिर ________________, बड़ा बाबुल गिर गया है! वह दुष्टात्माओं का निवास, और हर एक अशुद्ध आत्मा का अड्डा, और हर एक अशुद्ध और घृणित पक्षी का अड्डा हो गया। ... उस में से ________________ कि तुम उसके पापों में भागी न हो, और उसकी विपत्तियों में से कोई तुम पर आ न पड़े।

ध्यान दें: प्रकाशितवाक्य 18:2 में, परमेश्वर दोहराता है कि बाबुल गिर गया है और शैतानों और दुष्ट आत्माओं का अड्डा बन गया है। वह चेतावनी देता है कि उसके पाप इतने आक्रामक हैं कि बाबुल को गंभीर रूप से दंडित किया जाएगा और नष्ट कर दिया जाएगा। परमेश्वर के लोगों को शीघ्रता से बाहर आना होगा, अन्यथा बाबुल की विपत्तियों से नष्ट हो जायेंगे।

7 यीशु ने बाबुल पर दुनिया को अपनी मदिरा से मतवाला बनाने का आरोप लगाया—यह क्या दर्शाता है?

प्रकाशितवाक्य 17:4 उसके हाथ में एक सोने का कटोरा था जो

________________ वस्तुओं से और उसके ________________ की अशुद्ध वस्तुओं

से भरा हुआ था।

ध्यान दें: यीशु ने अंतिम भोज में शिष्यों को जो "नई दाखरस" दी थी, वह उसके खून और शुद्ध सुसमाचार शिक्षा का प्रतीक थी (मत्ती 26:27-29)। बाबुल का शराब का प्याला मादक झूठ से भरा है (नीतिवचन 12:22)-झूठी शिक्षाएँ जो लोगों को आध्यात्मिक रूप से नशे में डाल देती हैं। यहां उसके भ्रामक झूठ की आंशिक सूची दी गई है:

क. दस आज्ञाएँ बाध्यकारी नहीं हैं (पाठ 4 देखें)।

ख. रविवार की पवित्रता (पाठ 11, 15 देखें)।

ग. गुप्त स्वर्गारोहण (पाठ 1 देखें)।

घ. आत्मा की अमरता (पाठ 8 देखें)।

ङ. नरक में अनन्त पीड़ा (पाठ 9 देखें)।

च. पादरी के सामने अपने पापों का अंगीकार करना (पाठ 11 देखें)।

छ. नकली बपतिस्मा (पाठ 6 देखें)।

ज. भाषाओं का भ्रम।

दुखद सच्चाई यह है कि एक बार बाबुल के संदेशों को स्वीकार कर लेने के बाद, एक व्यक्ति आध्यात्मिक रूप से नशे में हो जाता है और वास्तव में यह समझने में असमर्थ हो जाता है कि बाइबल वास्तव में क्या कहती है, क्योंकि ये झूठे सिद्धांत व्यक्ति की सच्चाई को समझने की क्षमता को कम कर देते हैं।

8 अंत समय में कौन सी शक्ति पशु का साथ देगी?

प्रकाशितवाक्य 13:11 फिर मैंने एक और ________________ को पृथ्वी में से निकलते हुए देखा।

ध्यान दें: अपने आप को संभालो! प्रकाशितवाक्य 13 का यह दूसरा पशु संयुक्त राज्य अमरीका का प्रतीक है। साक्ष्य पर विचार करें:

क. यह कब उत्पन्न हुआ। परमेश्वर ने इस शक्ति का वर्णन इस प्रकार किया है कि यह उसी समय उभरती है जब पहला पशु बन्धुवाई में जाता है और घातक घाव प्राप्त करता है (प्रकाशितवाक्य 13:10, 11)। संयुक्त राज्य अमरीका का उत्थान उस समय हुआ जब 1,260 वर्षों के अंत में, जो कि 1798 में था, पोप की शक्ति टूट गई थी। अमरीका ने 1776 में अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की, 1787 में संविधान को पारित किया, 1791 में अधिकारों के विधेयक को अपनाया, और 1798 तक व्यापक रूप से एक विश्व शक्ति के रूप में मान्यता प्राप्त हो गई।

ख. यह कहाँ से उत्पन्न हुआ: पृथ्वी से। जैसा कि हमने पहले अध्ययन किया है, जिस जल क्षेत्र से अधिकांश राज्य (पशु) उत्पन्न हुए, वह घनी आबादी वाले क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता है (प्रकाशितवाक्य 17:15)। पृथ्वी इसके विपरीत का प्रतिनिधित्व करती है। संयुक्त राज्य अमरीका इस बात पर बिल्कुल सही बैठता है क्योंकि यह एक कम आबादी वाले महाद्वीप पर स्थापित किया गया था।

9 भविष्यवाणी के अनुसार, अमरीका समय के साथ कैसे परिवर्तित और रूपांतरित होता है?

प्रकाशितवाक्य 13:11 उसके ________________ के से दो सींग थे, और वह ________________ के समान बोलता था।

ध्यान दें: भविष्यवाणी में, एक मेमना यीशु का प्रतिनिधित्व करता है और एक सींग शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। दो बड़े सींग प्रोटेस्टेंट सिद्धांतों का प्रतिनिधित्व करते हैं जिन पर अमरीका की स्थापना हुई थी–नागरिक और धार्मिक स्वतंत्रता। धार्मिक और राजनीतिक उत्पीड़न से बचने के लिए संस्थापक पिता यूरोप भाग गए। वे राजा के बिना सरकार और पोप के बिना धर्म की स्थापना करने आये थे। अजगर के समान बोलने का मतलब है कि संयुक्त राज्य अमरीका, शैतान के प्रभाव में, ऐसे कानून पारित करके स्वतंत्रता के अपने मूल सिद्धांतों को त्याग देगा जो लोगों को अंतरात्मा के विपरीत पूजा करने के लिए मजबूर करते हैं। उल्लंघनकर्ताओं को आर्थिक प्रतिबंधों (प्रकाशितवाक्य 13:16, 17) और अंततः मृत्यु (पद्य 15) का सामना करना पड़ेगा।

10 संयुक्त राज्य अमरीका प्रकाशितवाक्य 13 के पहले मसीह-विरोधी पशु का समर्थन कैसे करता है?

प्रकाशितवाक्य 13:12 वह ... पृथ्वी और उसके रहनेवालों से उस पहले पशु की, जिसका प्राण–घातक घाव अच्छा हो गया था, ____________________ कराता था।

ध्यान दें: संयुक्त राज्य अमरीका दुनिया के देशों को पोपतंत्र मसीह विरोधी के प्रति निष्ठा के लिए मजबूर करने में नेतृत्व करेगा। आप किसकी पूजा और आज्ञापालन करेंगे? क्या यह मसीह, आपका सृष्टिकर्ता और मुक्तिदाता, या मसीह विरोधी होगा? पृथ्वी पर प्रत्येक प्राणी अंततः किसी न किसी की पूजा करेगा। अविश्वसनीय चमत्कारों (प्रकाशितवाक्य 13:13, 14) के साथ, शैतान का तरीका गहरा आध्यात्मिक प्रतीत होगा, जो अरबों लोगों को धोखा देगा (पद्य 3)।

11 अंत समय में कौन सी तीन शक्तियाँ परमेश्वर के लोगों के विरुद्ध एकजुट होंगी?

प्रकाशितवाक्य 16:13 फिर मैंने उस ____________________ के मुँह से, और उस ____________________ के मुँह से, और उस ____________________ ____________________ के मुँह से तीन अशुद्ध आत्माओं को मेंढकों के रूप में निकलते देखा।

ध्यान दें: "अजगर" शैतान है, जिसने एक बार बुतपरस्त रोम के द्वारा काम किया था (प्रकाशितवाक्य 12:3-9)। "पशु" पोपतंत्र रोम है, जिसका वर्णन प्रकाशितवाक्य 13:1-10 में किया गया है। और "झूठा भविष्यवक्ता" अमरीका में धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद है, प्रकाशितवाक्य 13:11-17 का पशु जिसके मेमने की तरह दो सींग हैं लेकिन वह अजगर की तरह बोलता है। एक नकली त्रिएकता का निर्माण करते हुए, ये शक्तियाँ धोखा फैलाने और परमेश्वर के लोगों के खिलाफ एक संघ बनाने के अपने काम में एकजुट होंगी। "सर्वशक्तिमान परमेश्वर के उस बड़े दिन की लड़ाई" वही घटना है जो प्रकाशितवाक्य 12:17 में अजगर द्वारा स्त्री की शेष संतान के साथ युद्ध करने की है।

12 यह अंतिम समय का गठबंधन किन प्रभावी तरीकों का उपयोग करेगा?

प्रकाशितवाक्य 16:14 ये चिह्न दिखानेवाली ____________________ हैं।

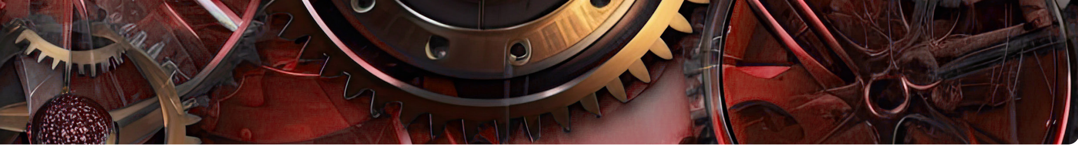

प्रकाशितवाक्य 13:13, 14 वह बड़े–बड़े _______________ दिखाता था, यहाँ तक कि मनुष्यों के सामने स्वर्ग से पृथ्वी पर आग बरसा देता था। उन चिह्नों के कारण, जिन्हें उस पशु के सामने दिखाने का अधिकार उसे दिया गया था, वह पृथ्वी के रहनेवालों को _______________ था।

ध्यान दें: यह अंत समय का गठबंधन दुष्टात्माओं के माध्यम से शक्तिशाली चमत्कार करेगा, वस्तुतः पूरी दुनिया को धोखा देगा (प्रकाशितवाक्य 13:3)। प्रकाशितवाक्य 18:23 कहता है, “तेरे टोने से सब जातियाँ भरमाई गईं।” यह वही शक्ति है जो बड़े-बड़े चिन्ह दिखाती है, यहाँ तक कि आकाश से आग भी गिराती है (प्रकाशितवाक्य 13:13, 14)। (प्रकाशितवाक्य 19:20 में झूठे भविष्यवक्ता के वर्णन से तुलना करें।)

13 परमेश्वर के अंतिम समय के लोगों को धोखा खाने से क्या रोकेगा?

यशायाह 8:20 _______________ और _______________ ही की चर्चा किया करो! यदि वे इस वचन के अनुसार नहीं बोलते, तो इसका कारण यह है कि उन में ज्योति नहीं। (अंग्रेजी बाइबल के अनुसार)

ध्यान दें: परमेश्वर के लोगों को हर चीज़ को बाइबल के अनुसार परखना चाहिए। वे धोखा नहीं खाएंगे, क्योंकि वे चमत्कारों और शिक्षाओं का परीक्षण करके यह निर्धारित करेंगे कि वे शैतान की आत्माओं से आते हैं या प्रभु से।

» आप का जवाब

आज, परमेश्वर आपको बाबुल से बाहर और अपनी शेष कलीसिया की सुरक्षा में बुला रहा है। वह कहता है कि जो लोग बाबुल में रहेंगे वे उसके पापों में भाग लेंगे और उसकी विपत्तियाँ प्राप्त करेंगे। नूह के दिनों में, केवल आठ लोगों ने उस जहाज में प्रवेश किया जो परमेश्वर ने उनके उद्धार के लिए प्रदान किया था। अन्य सभी नष्ट हो गये। आज, वह अपनी शेष कलीसिया को सुरक्षा के जहाज़ के रूप में प्रदान करता है, और लाखों लोग इसमें प्रवेश कर रहे हैं। यीशु आपको “अपने सारे घराने समेत जहाज में आने” के लिए आमंत्रित कर रहा है (उत्पत्ति 7:1)। क्या आप आज उसके निमंत्रण पर “हाँ” कहेंगे?

उत्तर: _______________

आगे का अध्ययन

अमरीका और रोम कितने शक्तिशाली हैं?

प्रकाशितवाक्य 13 बताता है कि अंत समय में, पोपतंत्र और संयुक्त राज्य अमरीका मिलकर पूरी दुनिया को पशु की पूजा करने के लिए प्रभावित करेंगे। क्या ये इकाइयाँ इसे पूरा करने के लिए पर्याप्त शक्तिशाली हैं?

पोपतंत्र दुनिया में अब तक की सबसे मजबूत धार्मिक-राजनीतिक शक्ति है। लगभग हर प्रमुख देश का वेटिकन में एक राजदूत या राज्य प्रतिनिधि होता है। पोप का लगभग सभी देशों द्वारा सम्मान किया जाता है और उसका स्वागत किया जाता है, और वर्तमान पोप ने पोपतंत्र के नेतृत्व में धार्मिक दुनिया को एकजुट करने के लक्ष्य के साथ 50 से अधिक देशों की यात्राएं की हैं। विश्व मामलों को प्रभावित करने की पोप की शक्ति के बारे में, रूसी नेता मिखाइल गोर्बाचेव ने कहा, "पूर्वी यूरोप में जो कुछ भी हुआ [साम्यवाद (कम्युनिज्म) के पतन तक) पोप के प्रयासों और राजनीतिक भूमिका सहित विशाल भूमिका के बिना असंभव होता जो उसने विश्व पटल पर निभाई।''[1]

शीत युद्ध की समाप्ति के बाद से केवल एक ही राष्ट्र अपनी सैन्य शक्ति और वैश्विक प्रभाव में बेजोड़ रहा है। 1991 में रूसी संघ के विघटन के साथ, संयुक्त राज्य अमरीका "ग्रह की एकमात्र शेष महाशक्ति" बन गया।[2] और, रूस और चीन के "अपना वजन बढ़ाने" के हालिया प्रयासों के बावजूद, अमरीका अभी भी दुनिया पर हावी है, शेष एकमात्र ऐसा देश है जो "दुनिया के किसी भी क्षेत्र में खुद को निर्णायक रूप से शामिल कर सकता है।"[3]

बाइबल की भविष्यवाणी स्पष्टता के साथ भविष्यवाणी करती है कि संयुक्त राज्य अमरीका और पोपतंत्र हाथ मिलाएंगे, और विश्व की घटनाएं स्पष्ट रूप से दिखाती हैं कि गठबंधन बन रहा है।

1. Mikhail Gorbachev, "Pope had a key role in freeing Eastern Europe," Tampa Bay Times, March 9, 1992.
2. Charles Krauthammer, "The UN Obsession," Time, May 9, 1994.
3. Taylor McNeil, "Why the United States Is the Only Superpower," TuftsNow, November 21, 2019.

ध्यान दें:

हमारे मुफ्त ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के
साथ बाइबल के महान सत्य की खोज करें
AMAZ!NG
BIBLE STUDIES
AmazingBibleStudies.com

AMAZING FACTS INTERNATIONAL

भविष्यवाणी की उलटी गिनती

पाठ 14

14

AMAZING FACTS INTERNATIONAL

P.O. Box 1058
Roseville, CA 95678
amazingfacts.org
AFTV.in